Website : www.highwaychannel.in

छत्तीसगढ़ का सर्वाधिक प्रसारित शाम का अखबार

हाईवे चैनल

□ वर्ष- 29 □ अंक- 176 □ रायपुर, रविवार 19 जुलाई 2026 □ पृष्ठ-8 □ मूल्य- 2.50 रुपया • रायपुर • जगदलपुर से प्रकाशित RNI रजिस्ट्रेशन नं. 68139/98

ब्रेकिंग न्यूज

अस्पताल में सोनम का अनशन जारी, दिया संदेश, पत्नी बोलीं- सफदरजंग से भरोसा उठा

नई दिल्ली, 19 जुलाई (न्यूज चैनल)। सफदरजंग अस्पताल में भर्ती पर्यावरण कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की ओर से उनकी पत्नी गीतांजलि के माध्यम से एक हस्तलिखित संदेश जारी किया गया है। इस संदेश में उन्होंने 20 जुलाई को होने वाले कार्यक्रम को आजादी का दूसरा आंदोलन बताते हुए लोगों से संसद मार्च में शामिल होकर इसे सफल बनाने की अपील की है। हस्तलिखित संदेश में सोनम वांगचुक ने लिखा है, आजादी का दूसरा आंदोलन, जय मुक्त भारत, अन्याय मुक्त भारत। इसके साथ उन्होंने अंग्रेजी में 'Freedom from Injustice (Like Paper Leaks)' और 'Freedom from Fear (My Illegal Detention)' लिखा है। यानी अन्याय (जैसे पेपर लीक) से आजादी और डर से आजादी (मेरी कथित अवैध हिरासत) का उल्लेख किया है।

सहारनपुर में ओवैसी का बड़ा दावा, बोले- बीजेपी को रोकने के लिए गठबंधन को तैयार

नई दिल्ली, 19 जुलाई (न्यूज चैनल)। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 को लेकर एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने सहारनपुर की रैली में बड़ा राजनीतिक बयान दिया। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी का मकसद उत्तर प्रदेश में दोबारा बीजेपी की सरकार बनने से रोकना है। इसके लिए यदि चुनाव से पहले गठबंधन करना पड़ा तो एआईएमआईएम उसके लिए तैयार है। ओवैसी ने कांग्रेस, समाजवादी पार्टी और बीजेपी पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि लंबे समय तक कांग्रेस का साथ देने के बावजूद मुस्लिम समाज सबसे ज्यादा बेरोजगारी झेल रहा है, साथ ही समाजवादी पार्टी के पीडीए अभियान पर भी सवाल उठाए।

हजार करोड़ की धोखाधड़ी के आरोप में महेंद्र गोयनका गिरफ्तार

रायपुर, 19 जुलाई (हाईवे चैनल)। कोलकत्ता पुलिस ने बीती रात 1000 करोड़ की धोखाधड़ी के आरोप में रायपुर निवासी महेन्द्र गोयनका को दिल्ली से गिरफ्तार किया है। गोयनका पिछले डेढ़-दो साल से फरार चल रहे थे। मध्यप्रदेश पुलिस इस दौरान उन्हें गिरफ्तार करने में नाकाम रही थी। रायपुर निवासी महेंद्र गोयनका पूर्व में एमपी के विधायक संजय पाठक के परिवार की कंपनी यूरो प्रतीक इस्पात इंडिया प्राइवेट लिमिटेड में एक प्रमुख प्रबंधकीय पद पर कार्यरत रहा है, आरोपों के अनुसार, यह मामला सैकड़ों करोड़ रुपये के कथित वित्तीय अनियमितताओं और कंपनी के बिके हुए माल को छल-कपट करके बेचने से जुड़ा हुआ है।

फर्जी हस्ताक्षरों के माध्यम से उनके परिवार के स्वामित्व वाली कई कंपनियों पर नियंत्रण स्थापित कर लिया है। इस संबंध में कोलकत्ता में भी भारतीय दंड संहिता की धारा 420,

कोलकाता पुलिस की कार्रवाई

120बी सहित अन्य धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई थी जिसके परिपालन में महेंद्र गोयनका की गिरफ्तारी की गई है। दक्षिण-एशियाईऔर प्रवासी इसके अतिरिक्त गोयनका के डायरेक्टर्स के विरुद्ध भी कटनी, मप्र में दो अलग-अलग प्रकरण 420/120बी/467/468/471 की प्राथमिकी दर्ज हैं। जानकारी के अनुसार, उनके सहयोगियों की अग्रिम जमानत याचिकाएं सर्वोच्च न्यायालय द्वारा खारिज की जा चुकी हैं, उसके बाद भी वे पिछले लगभग डेढ़-दो वर्ष से फरार बताए जा रहे थे। मध्य प्रदेश पुलिस उन्हें जहां गिरफ्तार करने में नाकाम रही. बताया जा रहा है कि महेंद्र गोयनका को मध्य प्रदेश में कुछ अधिकारियों का संरक्षण प्राप्त रहा था। महेंद्र गोयंका की गिरफ्तारी से मध्यप्रदेश के कई अधिकारियों और व्यापारियों के राज खुलने की आशंका है। बताया जा रहा है कि मुंबई स्थित राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) के 9 मई 2025 के आदेश में महेंद्र गोयनका एवं उनकी पत्नी मीनू गोयनका द्वारा वित्तीय गबन से संबंधित टिप्पणियां दर्ज की गई हैं। इसके अतिरिक्त, उनकी एक अन्य कंपनी निसर्ग इस्पात में भी कथित रूप से वित्तीय अनियमितताओं और धन के हेरफेर की खबरें सामने आई हैं।

मानसून सत्र से पहले सर्वदलीय बैठक

बागी सांसदों के शामिल होने पर भड़की टीएमसी; विपक्ष का वॉकआउट

नई दिल्ली, 19 जुलाई (न्यूज चैनल)। संसद के मानसून सत्र से एक दिन पहले संसद भवन एनेक्सी में सर्वदलीय बैठक जारी है। मानसून सत्र 20 जुलाई से शुरू हो रहा है। विपक्षी सांसदों ने बैठक से वॉकआउट किया है। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सांसद महुआ मोइत्रा ने कहा, आज कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, द्रविड़ मुनेत्र कड़गम, झारखंड मुक्ति मोर्चा, आम आदमी पार्टी, नेशनल कॉन्फ्रेंस, वाम दलों और शिवसेना (यूबीटी) समेत पूरा विपक्ष सर्वदलीय बैठक से विरोध जताते हुए बाहर निकल गया। इसकी वजह यह है कि कथित एनसीपीआई, जो एक गैर-मान्यता प्राप्त दल है, उसे बैठक में शामिल किया गया। उन्होंने कहा, टेबल ऑफिस (संसदीय दस्तावेज और व्यवस्था संभालने वाला विभाग) की ओर से दी गई सूची में अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस की ताकत 28 सांसद दिखाई गई है। इन कथित 20 बागी सांसदों के विलय को अभी तक लोकसभा अध्यक्ष ने मंजूरी नहीं दी है। इन 20 सांसदों की अयोग्यता से जुड़ी याचिकाएं अब भी लंबित हैं।

महुआ मोइत्रा ने कहा, 91वें संविधान संशोधन के बाद किसी अलग गुट के बनने की कोई गुंजाइश नहीं है। ऐसे में संसदीय कार्य मंत्री ने किस आधार पर इन 20 बागी सांसदों को निमंत्रण दिया और वे इस बैठक में कैसे शामिल हो रहे हैं? उन्होंने आगे कहा, हमने इस मामले पर अपना कड़ा विरोध दर्ज कराया और विरोध के प्रतीक के रूप में बैठक से बाहर निकल गए। हम सभी विपक्षी दलों का धन्यवाद करते हैं कि उन्होंने हमारा साथ दिया। कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी ने कहा, कांग्रेस ने संविधान की रक्षा के लिए बैठक से वॉकआउट किया है। अंतिम फैसला आने से पहले ही कोई अनुमान लगाना पूरी तरह असांविधानिक है। शिवसेना (यूबीटी) सांसद अरविंद सावंत ने कहा, उन्हें (बागी सांसदों को) दी गई मान्यता, कानून की किताबों में यह शब्द कहां है? हमने भी इसका विरोध किया है और सदन से वॉकआउट किया है। आम आदमी पार्टी के सांसद एनडी गुप्ता ने कहा, हमारे मामले में राज्यसभा के 10 सांसदों में से 7 को अलग कर लिया गया है और यह तय करने के लिए हमारी याचिका लंबित है कि यह सही है या नहीं। इसके बावजूद उन्हें राज्यसभा में अलग से स्वतंत्र सीटें दे दी गई हैं। यह सिर्फ एक तरह से सांसदों को अपने साथ मिलाना और लोकतंत्र की हत्या है।

संसद का मानसून सत्र 20 जुलाई से शुरू होगा और 13 अगस्त तक चलेगा। मानसून सत्र की तारीखों का एलान करते हुए केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने एक्स पर लिखा, भारत सरकार की सिफारिश पर माननीय राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू जी ने संसद के दोनों सदनों को मानसून सत्र 2026 के लिए बुलाने की मंजूरी दे दी है। यह सत्र 20 जुलाई 2026 से शुरू होगा और 13 अगस्त 2026 तक चलेगा। इस दौरान राष्ट्रीय महत्व के मुद्दों पर सार्थक बहस, चर्चा की जाएगी और फैसले लिए जाएंगे। चार सप्ताह तक चलने वाले इस सत्र में संसद की 19 बैठकें होंगी।

छात्रों की सुरक्षा पर सख्तीः पुलिस कर रही 200 से अधिक बस और ड्राइवरों की जांच

रायपुर- राजधानी रायपुर में स्कूली बच्चों की सुरक्षा को लेकर पुलिस कमिश्नरेट विशेष अभियान चला रही है. इसी कड़ी में रविवार को पुलिस परेड ग्राउंड में 200 से अधिक स्कूल बसों की व्यापक मैकेनिकल जांच की जा रही है. बसों के फिटनेस, ब्रेक, स्टीयरिंग, टायर, फायर सेफ्टी उपकरण, इमरजेंसी एग्जिट, फर्स्ट एड बॉक्स, स्पीड गवर्नर समेत अन्य जरूरी सुरक्षा मानकों की बारीकी से जांच की जा रही है।

बेटे ने हथिया लिया था, बुजुर्ग मां को वापस मिलेगा अपना मकान

बिलासपुर, 19 जुलाई (हाईवे चैनल)। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने वरिष्ठ नागरिकों के अधिकारों से जुड़े एक महत्वपूर्ण मामले में साफ किया है कि माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों का भरण-पोषण एवं कल्याण अधिनियम-2007 के तहत गठित मेंटेनेंस ट्रिब्यूनल (अतिरिक्त कलेक्टर) को जरूरत पड़ने पर बुजुर्गों की सुरक्षा के लिए उनके ही घर से बेटे या रिश्तेदार को बेदखल करने का अधिकार है। अदालत ने कहा कि यह कानून सिर्फ भरण-पोषण दिलाने के लिए नहीं, बल्कि बुजुर्गों को सुरक्षित और सम्मान के साथ रहने का अधिकार दिलाने के लिए बनाया गया है।

जस्टिस अमितेंद्र किशोर प्रसाद की एकलपीठ ने रायगढ़ जिले के रामदयाल साहू की याचिका खारिज करते हुए मेंटेनेंस ट्रिब्यूनल (अतिरिक्त कलेक्टर) और अपीलीय प्राधिकरण के आदेश को सही ठहराया। रायगढ़ जिले के ग्राम कंचनपुर, तहसील घरघोड़ा निवासी रामदयाल साहू ने हाई कोर्ट में याचिका दायर कर उस आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें उन्हें अपनी मां हेमकुंवर के नाम पर बने मकान का कब्जा वापस करने और घर खाली करने के निर्देश दिए गए थे।

रिकार्ड के अनुसार हेमकुंवर के नाम खसरा नंबर 321/46, रकबा 299 वर्गमीटर की आबादी भूमि का पट्टा है। इसी जमीन पर प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत उनके नाम से मकान बनाया गया था। जांच में पाया गया कि उस मकान पर रामदयाल साहू का कब्जा था। जांच रिपोर्ट के आधार पर मेंटेनेंस ट्रिब्यूनल ने 12 नवंबर 2021 को आदेश देकर बुजुर्ग मां हेमकुंवर को मकान का कब्जा वापस दिलाने के निर्देश दिए थे। यह आदेश लागू नहीं होने पर उन्होंने दोबारा मेंटेनेंस ट्रिब्यूनल का दरवाजा खटखटाया। इसके बाद ट्रिब्यूनल ने 15 मई 2024 को फिर आदेश जारी कर 2021 के आदेश को लागू करने और मकान का कब्जा हेमकुंवर को दिलाने के निर्देश दिए।

चोर ने ट्रेन से लगाई छलांग, मारने वाला यात्री हुआ गिरफ्तार

रायपुर, 19 जुलाई (हाईवे चैनल)। ट्रेनों में चोरी करते कई बार चोर पकड़े जाते हैं, लेकिन आजाद हिंद एक्सप्रेस में एक ऐसी घटना घटी, जिसका वीडियो सोशल मीडिया में काफी वायरल हो रहा है. इसमें चोर सामान मालिक की मार से बचने के लिए पहले तो ट्रेन की गेट में लटका रहा, लेकिन जब देखा कि लात मारने का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है, तो वह नीचे कूद गया! जानकारी के अनुसार, उरकुरा-मांडर के पास यह घटना घटित हुई है. यात्रियों के अनुसार, चोर रिजर्व बोगी में यात्री के बगल में रायपुर से सफर शुरू होते ही बैठ गया था. ट्रेन के रवाना होने के कुछ दूर बाद चोर यात्री का सामान लेकर भागने लगा. यात्री को इसकी भनक लगते ही उसके पीछे दौड़ा. यात्री की पकड़ से बचने के लिए चोर गेट से नीचे लटक गया. यात्री का गुस्सा इतना था कि वह उसे पहले हाथ से फिर लात से मारने लगा. आखिर में मार से बचने के लिए चोर ने नीचे कूदने में ही भलाई देखी। रेलवे पुलिस ने नीचे कूदने वाले चोर की तलाश में है, तो दूसरी ओर चोर को नीचे कूदने के लिए मजबूर करने वाले यात्री आर सुरेश कुमार के खिलाफ बीएनएस धारा 115(2), 117(3) के तहत मामला दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया है।

पुंछ में बाढ़ और भूस्खलन ने मचाई तबाही

एक रात की बारिश ने उजाड़ दिए कई घर, सुरनकोट में 11 लोगों की मौत

नई दिल्ली, 19 जुलाई (न्यूज चैनल)। जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में भारी बारिश ने भारी तबाही मचा दी है। शनिवार देर रात से रविवार सुबह तक हुई मूसलाधार बारिश के कारण कई इलाकों में अचानक बाढ़ और भूस्खलन की घटनाएं सामने आईं। हादसों में अब तक 11 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि कई लोग लापता बताए जा रहे हैं। वहीं कम से कम चार लोग घायल हुए हैं, जिनमें तीन बच्चे भी शामिल हैं। जिले की सुरनकोट तहसील में बारिश का सबसे ज्यादा असर देखने को मिला है। यहां कई घर भूस्खलन की चपेट में आ गए।

प्रशासन, पुलिस और सेना की टीमें लगातार राहत एवं बचाव अभियान चला रही हैं। लोअर मड़ा गांव में भूस्खलन से एक मकान मलबे में दब गया। इस हादसे में मकान मालिक मोहम्मद लतीफ और उनके परिवार के पांच अन्य सदस्य लापता हो गए। राहत एवं बचाव अभियान के दौरान मलबे से आठ शव बरामद किए गए हैं। संगलेयानी गांव में मकान गिरने से 18 वर्षीय युवक की मौत हो गई।

वहीं मरहोट गांव में इरम नाम की नाबालिग लड़की तेज बहाव वाले नाले में बह गई और उसकी मौत हो गई। धुंधक लट्ठूंग पुल के पास एक नाले से एक अज्ञात महिला का शव बरामद किया गया है। पुंछ के नूनाबांडी गांव में भी भारी बारिश के कारण एक मकान गिर गया, जिसमें 28 वर्षीय नाजिया कौसर की मौत हो गई। उनके पति मोहम्मद हफीज और दो से छह वर्ष की उम्र के तीन बच्चों को घायल अवस्था में बचाया गया। सभी घायलों को राजा सुखदेव सिंह जिला अस्पताल पहुंचाया गया है।

सुरनकोट तहसील के मड़ा गांव में क्षतिग्रस्त मकान से शवों को निकालने का काम जारी है। अधिकारियों के अनुसार, मलबे से आठ शव बरामद किए जा चुके हैं, जबकि गांव में अभी भी छह लोगों के लापता होने की सूचना है। प्रशासन ने प्रभावित इलाकों में बचाव दल तैनात कर दिए हैं। फंसे हुए लोगों को निकालने, मलबा हटाने और प्रभावित परिवारों तक राहत पहुंचाने का काम तेजी से किया जा रहा है। पुंछ के उपायुक्त अशोक कुमार शर्मा और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शफकत हुसैन ने घटनास्थलों का दौरा कर राहत एवं बचाव कार्यों का जायजा लिया। प्रशासन, पुलिस और सेना की संयुक्त टीमें लगातार प्रभावित इलाकों में अभियान चला रही हैं। अधिकारियों ने बताया कि प्राथमिकता फंसे हुए लोगों को सुरक्षित निकालना और प्रभावित परिवारों को तत्काल सहायता उपलब्ध कराना है।

नग्न अवस्था में मंदिर पहुंची महिला इंजीनियर, देवी की मूर्ति लेकर तालाब में लगाई छलांग

नई दिल्ली, 19 जुलाई (न्यूज चैनल)। हैदराबाद में एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां 25 साल की एक युवती ने नग्न अवस्था में मंदिर में प्रवेश किया। इसके बाद वह देवी अम्मावरु की मूर्ति उठाकर भागी और पास के एक तालाब में कूद गई। पुलिस ने तालाब से युवती का शव बरामद कर लिया है, लेकिन देवी की मूर्ति अभी तक नहीं मिली है। पुलिस गोताखोरों की मदद से मूर्ति की तलाश कर रही है, जिसे जांच में एक महत्वपूर्ण सबूत माना जा रहा है। पुलिस जांच में सामने आया है कि मृत युवती मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रही थी। वह पहले बेंगलुरु में सॉफ्टवेयर इंजीनियर के तौर पर काम करती थी। इसके बाद वह विशाखापत्तनम में रहने लगी थी। युवती के माता-पिता के बीच वैवाहिक विवाद चल रहा था। इस वजह से उसके पिता विशाखापत्तनम में रहते हैं, जबकि उसकी मां हैदराबाद के पीरजादिगुडा में रहती थीं। पुलिस के अनुसार, मृत युवती और उसकी मां दोनों ही भय और डर से ग्रस्त थीं।

उदंती-सीतानदी टाइगर रिजर्व में प्रकृति का स्वर्णिम दौर

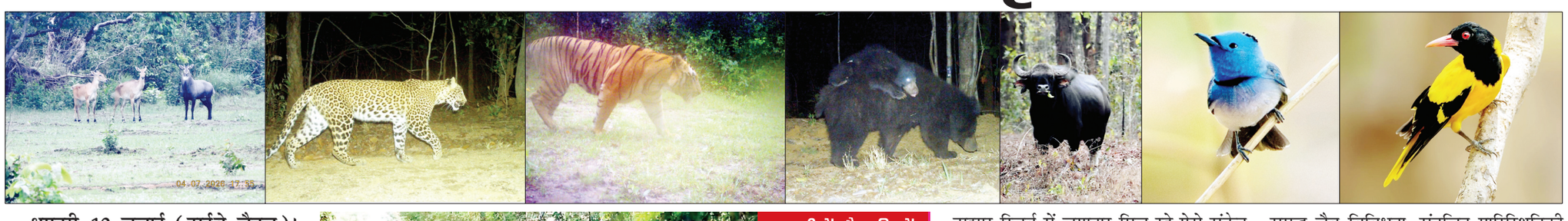

धमतरी 19 जुलाई (हाईवे चैनल)। छत्तीसगढ़ का उदंती-सीतानदी टाइगर रिजर्व (यूएसटीआर) जैव विविधता संरक्षण के क्षेत्र में लगातार नई उपलब्धियां हासिल कर रहा है। यहां बाघ, तेंदुआ, भालू, गौर, जंगली कुत्ता, सांभर, चीतल, चौसिंगा, नीलगाय, जंगली सूअर सहित अनेक वन्यजीवों के साथ विभिन्न प्रजातियों के पक्षियों की लगातार दर्ज हो रही मौजूदगी इस बात का संकेत है कि रिजर्व का पारिस्थितिकी तंत्र पहले की तुलना में अधिक संतुलित और समृद्ध हुआ है। वन विभाग द्वारा संरक्षण कार्यों में आधुनिक तकनीकों का प्रभावी उपयोग किया जा रहा है। कैमरा ट्रैप से वन्यजीवों की नियमित निगरानी, जंगलों में गश्त, अवैध शिकार पर सख्त नियंत्रण, कृत्रिम जलस्रोतों का निर्माण, घासभूमि विकास, आग से बचाव के विशेष उपाय तथा वन्यजीवों के प्राकृतिक आवास के संरक्षण जैसे कई नवाचारों से वन क्षेत्र में सकारात्मक बदलाव देखने को मिल रहे हैं। रिजर्व में पक्षियों की बढ़ती संख्या भी पर्यावरणीय संतुलन का

वन्यजीवों और पक्षियों की बढ़ती मौजूदगी से मजबूत हो रहा पारिस्थितिकी तंत्र, आधुनिक तकनीक और जनसहभागिता से संरक्षण को मिली नई गति

महत्वपूर्ण संकेत मानी जा रही है। विभिन्न स्थानीय और प्रवासी पक्षियों की मौजूदगी यह दर्शाती है कि जंगल में पर्याप्त भोजन, जल और सुरक्षित आवास उपलब्ध हैं। इससे पूरे वन क्षेत्र की जैव विविधता और पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूती मिल रही है। वन विभाग स्थानीय ग्रामीणों और ईको-डेवलपमेंट समितियों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित कर संरक्षण कार्यों को जनआंदोलन का स्वरूप देने का प्रयास कर रहा है। ग्रामीणों को वन एवं वन्यजीव संरक्षण के प्रति जागरूक करने के साथ-साथ वैकल्पिक आजीविका और पर्यावरण संरक्षण से जुड़े कार्यक्रम भी संचालित किए जा रहे हैं। इससे मानव-वन्यजीव संघर्ष में कमी आने के साथ संरक्षण कार्यों को भी मजबूती मिली है। वन्यजीव विशेषज्ञों का मानना है कि किसी भी संरक्षित क्षेत्र में विभिन्न प्रजातियों के जीव-जंतुओं और पक्षियों की निरंतर उपस्थिति उस क्षेत्र के स्वस्थ पर्यावरण और मजबूत खाद्य श्रृंखला का प्रमाण होती है। उदंती-सीतानदी टाइगर रिजर्व में लगातार मिल रहे ऐसे संकेत भविष्य के लिए बेहद उत्साहजनक हैं।

वन्यजीव संरक्षण हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है - उप संचालक वरुण जैन

उप संचालक वरुण जैन ने कहा उदंती-सीतानदी टाइगर रिजर्व में वन्यजीव संरक्षण हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। आधुनिक तकनीक, वैज्ञानिक प्रबंधन और स्थानीय समुदाय की सक्रिय भागीदारी के माध्यम से हम जैव विविधता संरक्षण को और मजबूत बना रहे हैं। वन्यजीवों तथा पक्षियों की बढ़ती मौजूदगी हमारे संरक्षण प्रयासों की सफलता का सकारात्मक संकेत है। आने वाले समय में भी प्राकृतिक आवासों के संरक्षण, वन्यजीवों की सुरक्षा और पारिस्थितिकी तंत्र को सुदृढ़ बनाने के लिए निरंतर नवाचार किए जाएंगे।

केवल बाघ संरक्षण का केंद्र नही, प्रकृति संरक्षण का एक सफल मॉडल बनकर उभर रहा यूएसटीआर

उदंती-सीतानदी टाइगर रिजर्व आज केवल बाघ संरक्षण का केंद्र नहीं, बल्कि समृद्ध जैव विविधता, संतुलित पारिस्थितिकी तंत्र और सामुदायिक सहभागिता के माध्यम से प्रकृति संरक्षण का एक सफल मॉडल बनकर उभर रहा है। वन विभाग को उम्मीद है कि भविष्य में भी इन प्रयासों से रिजर्व में वन्यजीवों की संख्या और जैव विविधता में निरंतर वृद्धि होगी।

मुख्य उपलब्धियां

- ❑ कैमरा ट्रैप के माध्यम से वन्यजीवों की नियमित निगरानी।
- ❑ जंगलों में सतत गश्त एवं अवैध शिकार पर प्रभावी नियंत्रण।
- ❑ कृत्रिम जलस्रोतों और घासभूमि का विकास।
- ❑ जंगलों को आग से सुरक्षित रखने के लिए विशेष प्रबंधन।
- ❑ स्थानीय ग्रामीणों एवं ईको-डेवलपमेंट समितियों की सक्रिय भागीदारी।
- ❑ जैव विविधता संरक्षण के लिए वैज्ञानिक और आधुनिक प्रबंधन प्रणाली का प्रभावी क्रियान्वयन।